>

Title: Need to ensure timely utilization of funds earmarked for drought-relief measures in Maharashtra.

श्री दानवे रावसाहेब पाटील (जालना): मराठवाड़ा के कुछ जिलों में सूखे के कारण परिस्थिति बहुत ही भीषण हो गई है । प्राकृतिक आपदा से निपटने हेतु राज्य के लिए स्वीकृत 778.9 करोड़ रूपये का पूरा उपयोग अभी तक नहीं हो पाया । यह कैसी विडम्बना है कि एक तरफ राज्य सूखे की मार झेल रहा है, वहीं दूसरी तरफ पेयजल योजना की निधि बेकार पड़ी है, पानी के लिए पैसा आकर पड़ा है । हम खर्च नहीं कर पा रहे हैं । वित्तीय साल 2012-13 समाप्ति पर है और सिर्फ आखिरी महीने में राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत शेष 60 प्रतिशत राशि का उपयोग कैसे हो पाएगा, यह एक बड़ा सवाल है ।

केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि उपरोक्त परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस विषय में समुचित कदम उठाएं ।